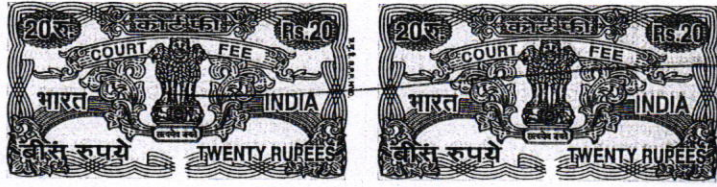


48

प्र.निग ०/रीवा/भू.रा०/२०१७/८०१५

न्यायालय श्री मान् राजस्व मण्डल महोदय ग्वालियर लिंक कोर्ट रीवा
जिला रीवा म०५०



₹. 40/-

- 1- सुन्ना लाल साकेत पिता
- 2- मनीलाल साकेत

दोनों निवासी थाना तहसील, व गांव सेमरिया जिला रीवा म०५०

... निगरानी कर्ता गण

बनाम

- 1- दशरथ चौधारी पिता जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम थाना, तहसील सेमरिया
जिला रीवा म०५०

- 2- म०५० शासन ... गैर निगरानी कर्ता गण

निगरानी विस्तृत आदेश श्री मान् तहसीलदार महोदय तहसील सेमरिया के द्वारा पारित क्रियान्वयन आदेश राजस्व प्रकरण क्रमांक 1533174/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 23.9.2017 राजस्व प्र. दशरथ चौधारी विस्तृत शासन को निरस्त किए जाने बावत ।

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०५० भू. राजस्व संहिता 1959 ई०

मान्यवर,

निगरानीके संक्षिप्त में सार

तथ्य यह है कि दशरथ चौधारी पिता जगदीश चौधारी द्वारा श्री मान् अनु-

विभागीय अधिकारी महोदय त्रिभौरके प्रकरण क्रमांक 3756/अमील /2015-16

आदेश दिनांक 9.6.2017 के क्रियान्वयन हेतु अधीनस्थ न्यायालय श्री मान् तहसील

द्वारा महोदय तहसील सेमरियाके समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें तहसीलदार

प्र.

मनीलाल

अध्यक्षी शंकर प्रसाद
उपेयारी डाटा के. 11-12-17

कार्ट ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म०५० ग्वालियर
(सुप्रीम कोर्ट रीवा)

11-12-17

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

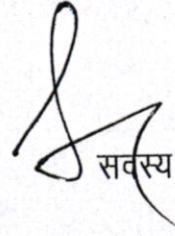
प्रकरण क्रमांक दो-निगरानी/रीवा/भू.रा./2017/6015

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19/6/18	<p>यह निगरानी तहसीलदार सेमरिया जिला रीवा के प्रकरण क्रमांक 153 अ 74/16-17 में पारित आदेश दिनांक 23-9-17 के विरुद्ध म0प्र0 भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ निगरानी की प्रचलनशीलता पर आवेदकगण के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने गये तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ आवेदकगण के अभिभाषक ने प्रारंभिक तर्कों में बताया कि अनावेदक क-1 ने अनुविभागीय अधिकारी सिरमोर के आदेश दिनांक 9-6-17 के क्रियान्वयन के लिये तहसीलदार सिमरिया को आवेदन दिया था, जिस पर तहसीलदार सिमरिया ने पूर्व पीठासीन अधिकारी के आदेश दिनांक 19-11-11 के अनुसार आदेश दिनांक 27-7-17 पारित करके इतला दर्ज करने का गलत निर्णय लिया है, जबकि आवेदक वाद विचारित भूमि में हितबद्ध पक्षकार है जिसके कारण उसे पक्षकार बनाये बिना एवं सुनवाई का अवसर दिये बिना तहसीलदार द्वारा पारित आदेश दिनांक 23-9-17 देना त्रुटिपूर्ण निर्णय की श्रेणी में है इसलिये निगरानी ग्राह्य करके अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख मंगाकर सुनवाई की जावे।</p> <p>4/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं तहसीलदार द्वारा पारित आदेश दिनांक 23-9-17 के अवलोकन से परिलक्षित है कि तहसीलदार सेमरिया ने इस आदेश में निम्नानुसार निर्णय लिया है :-</p> <ul style="list-style-type: none">श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी सिरमोर के प्र.क. 36 अ 6/अपील/15-16 आदेश दिनांक 9-6-17 के अनुसार तहसीलदार	

प्र.क. दो-निगरानी/रीवा/भू.रा./2017/6015

सेमेरिया के प्र.क. 17 अ 6/10-11 आदेश दिनांक 19-11-11 के अनुसार इतला कराने का आदेश हुआ है। दिनांक 27-7-17 को इतला दर्ज करने वावत् आदेश दिया गया है। अतः प्रवाचक प्रकरण दर्ज करते हुये इतला दर्ज करावें। पटवारी इतला दर्ज करे। *

विचार योग्य है कि क्या तहसीलदार सेमेरिया ने प्रकरण क्रमांक 153 अ 74/16-17 में पारित आदेश दिनांक 23-9-17 से पूर्वादेशानुसार इतला दर्ज कराने का निर्णय लेने में त्रुटि की है? यदि तहसील न्यायालय किसी आदेश के पालन में इतला दर्ज कराने की कार्यवाही का निर्णय लेता है जब इतला दर्ज कराने वाले आदेश के विरुद्ध अपील न होकर, उस आदेश के विरुद्ध अपील पोषणीय होगी, जिन्होंने वादित भूमि पर फैसला सुनाकर किसी व्यक्ति विशेष को भूमिस्वामी माना है, जिसके आधार पर तहसीलदार ने इतला दर्ज कराने के आदेश दिये हैं। फलस्वरूप विचाराधीन निगरानी सुनवाई योग्य न होने से अमान्य की जाती है।


सर्वस्य